Page No. :
Date : / /

18/7/19

आविष्कार के बाद आयी। ~~स~~ सम्भवतः प्रथम सार्वजनिक रेलमार्ग 1825 में उत्तरी इंग्लैण्ड के स्टॉकटन और डार्लिंगटन स्थानों के मध्य प्रारम्भ हुआ और इसके बाद से ही रेलमार्ग 19वीं शताब्दी में परिवहन के सर्वाधिक लोकप्रिय और तीव्रतम प्रकार बन गए।

i) सड़क मार्ग (Road Transportation) – सामान्य रूप से धुर पृथ्वी तल पर परिवहन के लिए बनाये गये मार्गों को सड़क कहते हैं। सड़कें वस्तुतः मानव द्वारा स्थल पर बनाये गए मार्ग हैं। ऐसे मार्ग कठोर व समतल होते हैं। इन भागों पर मानव, पशु तथा विभिन्न गाड़ियों का अधिक शीघ्रता से एवं निरन्तर आना – जाना सम्भव है। अत्यन्त प्राचीनकाल में परिवहन का पगडण्डियों से ही प्रारम्भ हुआ होगा। किन्तु धीरे – धीरे अनेक बाधाओं को पार कर मनुष्य ने पगडण्डियों के स्थान पर चौड़ी पक्की सड़कों का निर्माण कर लिया। ये सड़कें कंकड़, पत्थर, तारकोल, कोयला, सीमेन्ट आदि के द्वारा बनायी जाती हैं।

ii) रेल मार्ग (~~Road~~ Rail Transport) – विश्व में रेलों का विकास 19वीं सदी के मध्य से माना जाता है। विश्व के पहले रेलमार्ग का निर्माण सन 1835 में इंग्लैण्ड में हुआ था। यहाँ पहली रेलगाड़ी मानचेस्टर से लिवरपूल के बीच चली। इस रेल के चालक उसके निर्माण स्वयं जार्ज स्टीफेंशन थे एवं इसकी सवारियों में इंग्लैण्ड की महारानी एवं अनेक उच्च राजनेता थे। रेलमार्गों के निर्माण से विश्व के सभी देशों में बड़ी प्रगति हुई है।

Scanned with CamScanner

Page No. :
Date : / /

9/7/19

मीटर है।

स्वेज नहर यातायात और नौका चालन में मानव कि सफलता का एक महत्वपूर्ण प्रमाण है स्वेज नहर को ब्रिटेन की भी माना जाता है। इस नहर के द्वारा अफ्रीका के पूर्वी और दक्षिणी पूर्वी एशिया के छोटे-छोटे मार्ग खुले जिसे दूरी और समय में आश्चर्य-जनक कमी हुई। इस नहर के द्वारा अफ्रीका, एशिया, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड इस मार्ग के द्वारा से पश्चिम से पूर्व में निर्मित होने वाले मार्ग जैसे - कपड़े, दवाईयाँ, रसायन भेजे जाते है और इसके बदले में पटसन में गेहूँ, चाय, नारियल, मांस, चीनी, रबड़, टिन और गरम मसाला आदि पूर्वी क्षेत्रों में भेजे जाते है।

24/7/19

d) आशा अंतरीप मार्ग - यह जल मार्ग पहले स्वेज नहर का वैकल्पिक मार्ग था। ये अफ्रीका का पूरा चक्कर लगाता था और काफी लम्बा था। लिवर पुल और कोलम्बो के बीच की लम्बाई स्वेज नहर की तुलना में 6400 कि. मी. अधिक थी इसलिए अधिकतर जहाज इस मार्ग से नहीं जाते थे लेकिन स्वेज नहर के बंद हो जाने के बाद इसका महत्व ही बढ़ गया। यह मार्ग पश्चिमी यूरोप को पश्चिमी अफ्रीका के देशों, दक्षिणी एशिया, ऑस्ट्रलिया और न्यूजिलैंड से मिलता है। इस मार्ग के द्वारा सोना, ताम्बा और हीरे, जवहरात, टीन, अबरक, कपास, मुकंगफली का आदान-प्रदान किया जाता है।

Scanned with CamScanner

Page No. :
Date : / /

24/7/19

e) दक्षिणी अटलांटिक मार्ग (South Atlantic Oceanic Route) – यह जल मार्ग पश्चिमी यूरोप और पश्चिमी अफ्रीका के देशों के बीच सम्बन्ध स्थापित करता है। इस मार्ग का महत्व उत्तरी अटलांटिक मार्ग की अपेक्षा कम है। दक्षिणी अमेरिका के रियो-डि-जेनेरो और अफ्रीका के केप टाउन के बीच पूर्वी, पश्चिमी मार्ग पर भी व्यापार अधिक नहीं होता। इस मार्ग के द्वारा ब्राजिल से कहवा, कोको, अर्जेण्टाइना से गेहूँ, मांस, ऊन और उत्तरी अमेरिका और यूरोप के औद्योगिक प्रदेशों को भेजे जाते हैं।

f) उत्तरी प्रशान्त मार्ग (North Pacific Route) – प्रशान्त महासागर से आस्पार कई मार्गों से व्यापार होता है और सभी मार्ग ह्वनोलिनो पर मिलते हैं। इन मार्गों पर जल यान मर्मत या इंधन लेने के लिए रूकते हैं। इस मार्ग पर कई प्रमुख पत्तन, सियाटिल, पोर्टलैण्ड, सैनफ्रांसिस्को और लॉसएंजिलस हैं, इन पत्तनों से खासकर औद्योगिक उत्पाद वस्त्र, विद्युत उपकरण इत्यादि का लेद-देन किया जाता है।

g) दक्षिणी प्रशान्त मार्ग (South Pacific Route) – इस मार्ग पर चलनेवाले जलयान पनामा नहर में से गुजरते हैं तो जो उत्तर अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया आदि बिखरे हुए प्रशांत महासागरीय द्वीपों के बीच संपर्क स्थापित करते हैं। इस मार्ग द्वारा जलयान हॉगकांग फिलीपींस आदि भी जाते हैं। यह मार्ग मुख्यत: दूध गेहूँ, मांस, फल आदि उत्पादों तथा औद्योगिक उत्पादों को परिवहन की सुविधा उपलब्ध कराता इस मार्ग पर चलनेवाले जलयानों को अत्यधिक दूरी तय करनी पड़ती है

Scanned with CamScanner

Page No. :
Date : / /

24/7/19

h) पनामा मार्ग (Panama Canal) – यह नहर मध्य अमेरिका के पनामा देश में पनामा स्थल जल डमरूध्य को काटकर बनायी गयी है। इसका निर्माण संयुक्त राज्य अमेरिका की सरकार ने सन् 1904 में कराया था। इसके निर्माण पर 75 करोड़ पौण्ड खर्च हुआ। यह नहर प्रशान्त महासागर को अन्ध महासागर से जोड़ती है। पनामा नहर 82 कि.मी. लम्बी है। चौड़ाई 100 से 300 मीटर है, औसत गहराई 12 मीटर है। गहराई कम होने से इसके अन्दर तीन जलाशय (Locks) बनाये गये हैं, जिससे जहाज 25 मीटर तक उठ सकता है। इसको पार करने में जहाज को 10 से 12 घण्टे तक लग जाते हैं।

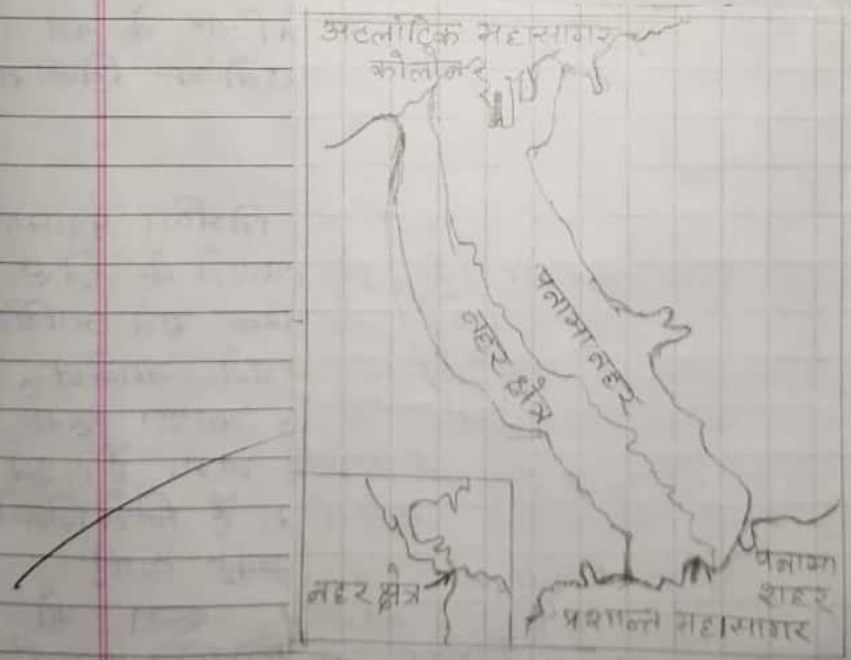

पनामा मार्ग (Panama canal)

Scanned with CamScanner
REDMI NOTE 8
AI QUAD CAMERA

Page No. :
Date : / /

18/7/19

Q3. ट्रान्स साइबेरियन रेलमार्ग (Trans Siberian Railways), ~~कैनेडियन~~ कैनेडियन - पैसेफिक रेलमार्ग (Canadin Pacific Rail Route), ऑस्ट्रेलियाई ट्रान्स - कांटीनेण्टल रेलमार्ग (Australian Trans - Continental Railway) का चित्र बनाए।

Ans ट्रान्स साइबेरियन रेलमार्ग (Trans Siberian Railways)- यह संसार का सबसे बड़ा रेलमार्ग है। इसका निर्माण सन् 1905 में हुआ, जो लेनिनग्राड से ब्लाडीवोस्टक तक 9,560 किमी लम्बा है। 1945 में इस मार्ग को दोहरा पथ बना लिया था, ताकि दोनों ओर की रेलगाड़ियाँ बिना रुकावट अपनी-अपनी रेल पटरियों पर दौड़ती रहे। इस रेलमार्ग के द्वारा पश्चिम और पूर्व का सम्बन्ध जुड़ने के साथ-साथ, साइबेरिया के वन साधनों, कृषि साधनों और खनिज साधनों का विकास हुआ है।

महत्व - ट्रांस - साइबेरियन रेलमार्ग का निर्माण प्रशासनिक तथा सैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किया गया था। बाद में इसका व्यापारिक एवं आर्थिक महत्व बढ़ गया। साइबेरिया अपने खनिज, वन, कृषि तथा पशु संसाधनों के कारण रूस का खजाना (Storehouse) कहलाने लगा है। इन संसाधनों पर अनेक वस्तुएँ आधारित है जिसे जिनमें कोयला, धातुएँ, लकड़ी, समूर आदि आदि महत्वपूर्ण हैं। ये वस्तुएँ यूरोपीय, रूस को भी भेजी जाती है और वहाँ से निर्मित वस्तुएँ मँगवाई जाती हैं।

Scanned with CamScanner
REDMI NOTE 8
48MP QUAD CAMERA